

॥ श्री महावीराय नमः ॥

॥ श्री कुशलरत्नगजेन्द्रहीरागणिभ्यो नमः ॥



आचार्य श्री हस्ती दीक्षा शताब्दी वर्ष

जैन-पञ्चाङ्ग



विक्रम सम्वत् : 2077
वीर सम्वत् : 2546-47
ईस्वी सन् : 2020-21

नमस्कार महामंत्र

णमो अरिहंताणं
णमो सिद्धाणं
णमो आयरियाणं
णमो उवज्झायाणं
णमो लोए सव्व साहूणं
एसो पंच णमोक्कारो
सव्व पावप्पणासणो ।
मंगलाणं च सव्वेसिं
पढमं हवइ मंगलं ॥

प्रकाशक :

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

सामायिक-स्वाध्याय भवन,

प्लॉट नं. 2, नेहरू पार्क , जोधपुर - 342003

फोन व फैक्स : 0291-2636763

E-mail : absjrhssangh@gmail.com

मुद्रक : लवली प्रिन्ट क्रियेशन, 9461027326

॥ श्री महावीराय नमः ॥

आदरणीय रत्नबन्धुवर,

सादर जय जिनेन्द्र!

आगामी वर्ष विक्रम संवत् 2077 आप-हम सबके लिए सुख शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो।

आप स्वस्थ रहकर संघ-सेवा, संत-सेवा, स्वधर्मी वात्सल्य सेवा और मानवता की सेवा में तन-मन-धन एवं समय का भोग देकर संघ-समाज की दीप्ति में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। आध्यात्मिक साधना की ओर हम सभी गतिशील हो, इस मंगल भावना के साथ नववर्ष की हार्दिक शुभकामना।

प्रकाश टाटिया

अध्यक्ष

आनंद चौपड़ा
कार्याध्यक्ष

बुधमल बोहरा
कार्याध्यक्ष

धनपत सेठिया
महामंत्री

धर्म उसी के चित्त में रहता है जो निर्मल हो।

मंगलाचरण

अर्हन्तो भगवन्त-इन्द्र-महिताः
 सिद्धाश्च सिद्धिस्थिताः ।
 आचार्या जिनशासनोन्नतिकराः
 पूज्या उपाध्यायकाः ॥
 श्री सिद्धान्त-सुपाठका मुनिवरा
 रत्न-त्रयाराधकाः ।
 पंचैते परमेष्ठिनः प्रतिदिनं
 कुर्वन्तु नो मंगलम् ॥

तुभ्यं नमः कुशल-वंश विभूषणाय,
 तुभ्यं नमः सति-शिरोमणि-नन्दनाय ।
 तुभ्यं नमः सकल-संकट मोचकाय,
 तुभ्यं नमो गणिगजेन्द्र! गणाधिपाय ॥

श्री रत्न हस्तिगण नूतन ज्ञान सूर्यम्,
 शान्तं प्रसन्न वदनं चतुरं सुधीरम् ।
 प्राप्तं बहुश्रुतपदम् करुणावतारम्,
 नित्यम् नमामि सुप्रियङ्कर हीराचन्द्रम्
 भक्त्या नमामि सुप्रियङ्कर हीराचन्द्रम् ॥

करेंगे प्रणाम, तो पायेंगे अच्छे परिणाम ।

ॐ शान्ति शान्ति

आचार्य श्री हस्तीमलजी म.सा.

ॐ शान्ति शान्ति शान्ति, सब मिल शान्ति कहो-2 ।।टेर ।।
 विश्वसेन अचला के नंदन, सुमिरण है सब दुःख निकन्दन ।
 अहो रात्रि वन्दन हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।।1 ।।
 भीतर शान्ति बाहर शान्ति, तुझमें शान्ति मुझमें शान्ति ।
 सबमें शान्ति बसाओ, सब मिल शान्ति कहो-2 ।।2 ।।
 विषय कषाय को दूर निवारो, काम क्रोध से करो किनारो ।
 शान्ति साधना यों हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।।3 ।।
 शान्ति नाम जो जपते भाई, मन विशुद्ध हिय धीरज लाई ।
 अतुल शान्ति उन्हें हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।।4 ।।
 प्रातः समय जो धर्म स्थान में, शान्ति पाठ करते मृदुस्वर में ।
 उनको दुःख नहीं हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।।5 ।।
 शान्ति प्रभु सम समदर्शी हो, करे विश्वहित जो शक्ति हो ।
 'गजमुनि' सदा विजय हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।।6 ।।

आचार शुद्धि के लिये आहार शुद्धि आवश्यक है ।

चैत्र शुक्ल पक्ष (दिनांक 25 मार्च से 8 अप्रैल)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	बुध	25	रे	मीन
2	गुरु	26	रे	मेष 07/15
3	शुक्र	27	अ	मेष
4	शनि	28	भ	वृषभ 19/29
5	रवि	29	कृ	वृषभ
6	चन्द्र	30	रो	मिथुन 30/05
7	मंगल	31	मृ	मिथुन
8	बुध	1	आर्द्रा	मिथुन
9	गुरु	2	पुन	कर्क 13/32
10	शुक्र	3	पुष्य	कर्क
11	शनि	4	श्ले	सिंह 17/07
12	रवि	5	मघा	सिंह
13	चन्द्र	6	पूफा	कन्या 17/31
14	मंगल	7	उफा	कन्या
15	बुध	8	चि	तुला 16/33

आवेश में किया हुआ कोई भी काम स्व-पर हितकारक नहीं होता।

वैशाख कृष्ण पक्ष (दिनांक 9 अप्रैल से 23 अप्रैल)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	बुध	0	0	0
2	गुरु	9	स्वा	तुला
3	शुक्र	10	वि	वृश्चिक 16/25
4	शनि	11	अनु	वृश्चिक
5	रवि	12	ज्ये	धनु 19/12
6	चन्द्र	13	मूल	धनु
7	मंगल	14	पूषा	मकर 25/56
8	बुध	15	उषा	मकर
9	गुरु	16	श्र	मकर
10	शुक्र	17	ध	कुंभ 12/17
11	शनि	18	श	कुंभ
12	रवि	19	पूषा	मीन 24/37
13	चन्द्र	20	पूषा	मीन
14	मंगल	21	उषा	मीन
30	बुध	22	रे	मेष 13/17
30	गुरु	23	अ	मेष

शिष्य के जीवन में गुरु ही सबसे बड़े चिकित्सक हैं।

वैशाख शुक्ल पक्ष (दिनांक 24 अप्रैल से 7 मई)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शुक्र	24	भ	वृषभ 25/14
2	शनि	25	कृ	वृषभ
3	रवि	26	रो	वृषभ
4	चन्द्र	27	मृ	मिथुन 11/45
5	मंगल	28	आर्द्रा	मिथुन
6	बुध	29	पुन	कर्क 19/57
7	गुरु	30	पुष्य	कर्क
8	शुक्र	1	श्ले	सिंह 25/04
9	शनि	2	मघा	सिंह
10	रवि	3	पूफा	कन्या 27/08
11	चन्द्र	4	उफा	कन्या
12	चन्द्र	0	0	0
13	मंगल	5	हस्त	तुला 27/14
14	बुध	6	चि	तुला
15	गुरु	7	स्वा	वृश्चिक 27/12

वेश बदलने का नहीं, बल्कि जीवन बदलने का नाम धर्म है।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 08 मई से 22 मई)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शुक्र	08	वि	वृश्चिक
2	शनि	09	अनु	धनु 29/01
3	रवि	10	मूल	धनु
4	चन्द्र	11	पूषा	धनु
5	चन्द्र	0	0	0
6	मंगल	12	उषा	मकर 10/15
6	बुध	13	श्र	मकर
7	गुरु	14	श्र	कुंभ 19/21
8	शुक्र	15	ध	कुंभ
9	शनि	16	श	कुंभ
10	रवि	17	पूषा	मीन 07/13
11	चन्द्र	18	उभा	मीन
12	मंगल	19	रे	मेष 19/52
13	बुध	20	अ	मेष
14	गुरु	21	भ	मेष
30	शुक्र	22	क्व	वृश्चिक 07/36

जिन्हें अनुशासन में रहना पसंद है, उन्हें ही जिनशासन मिलता है।

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 23 मई से 05 जून)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शनि	23	रो	वृषभ
2	रवि	24	मृ	मिथुन 17/33
3	चन्द्र	25	मृ	मिथुन
4	मंगल	26	आर्द्रा	कर्क 25/23
5	बुध	27	पुन	कर्क
6	गुरु	28	पुष्य	कर्क
7	शुक्र	29	श्ले	सिंह 06/57
8	शनि	30	मघा	सिंह
9	रवि	31	उफा	कन्या 10/18
10	चन्द्र	1	हस्त	कन्या
11	मंगल	2	चि	तुला 11/59
12	बुध	3	स्वा	तुला
13	गुरु	4	वि	वृश्चिक 13/06
14	गुरु	0	0	0
15	शुक्र	5	अनु	वृश्चिक

आत्मोन्नति के लिए सत्संग की खुराक आवश्यक है।

आषाढ कृष्ण पक्ष (दिनांक 06 जून से 21 जून)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शनि	6	ज्ये	धनु 15/11
2	रवि	7	मूल	धनु
3	चन्द्र	8	पूषा	मकर 19/44
4	मंगल	9	उषा	मकर
5	बुध	10	श्र	कुंभ 27/41
6	गुरु	11	ध	कुंभ
7	शुक्र	12	श	कुंभ
8	शनि	13	पूषा	मीन 14/45
9	रवि	14	उभा	मीन
10	चन्द्र	15	रे	मेष 27/16
11	मंगल	16	अ	मेष
11	बुध	17	अ	मेष
12	गुरु	18	भ	वृषभ 15/02
13	शुक्र	19	कृ	वृषभ
14	शनि	20	रो	मिथुन 24/34
30	रवि	21	मृ	मिथुन

इच्छाओं के निरोध से ही मोक्ष प्राप्त होता है।

आषाढ शुक्ल पक्ष (दिनांक 22 जून से 05 जुलाई)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	चन्द्र	22	आर्द्रा	मिथुन
2	मंगल	23	पुन	कर्क 07/34
3	बुध	24	पुष्य	कर्क
4	गुरु	25	श्ले	सिंह 12/26
5	शुक्र	26	मघा	सिंह
6	शुक्र	0	0	0
7	शनि	27	पूफा	कन्या 15/50
8	रवि	28	उफा	कन्या
9	चन्द्र	29	हस्त	तुला 18/26
10	मंगल	30	स्वाति	तुला
11	बुध	1	वि	वृश्चिक 20/55
12	गुरु	2	अनु	वृश्चिक
13	शुक्र	3	ज्ये	धनु 24/07
14	शनि	4	मूल	धनु
15	रवि	5	पूषा	मकर 29/00

शासन की उन्नति के लिए संघ को समर्थ होना चाहिए।

श्रावण कृष्ण पक्ष (दिनांक 06 जुलाई से 20 जुलाई)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	चन्द्र	6	उषा	मकर
2	मंगल	7	श्र	मकर
3	बुध	8	ध	कुंभ 12/30
4	गुरु	9	श	कुंभ
5	शुक्र	10	पूभा	मीन 22/54
6	शनि	11	उभा	मीन
7	रवि	12	उभा	मीन
8	चन्द्र	13	रे	मेष 11/13
9	मंगल	14	अ	मेष
10	बुध	15	भ	वृषभ 23/18
11	गुरु	16	कृ	वृषभ
12	शुक्र	17	रो	वृषभ
13	शनि	18	मृ	मिथुन 09/00
14	रवि	19	आर्द्रा	मिथुन
30	चन्द्र	20	पुन	कर्क 15/58

द्वेष हमें इन्सान बनने नहीं देता और राग हमें भगवान बनने नहीं देता ।

श्रावण शुक्ल पक्ष (दिनांक 21 जुलाई से 03 अगस्त)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	मंगल	21	पुष्य	कर्क
2	बुध	22	श्ले	सिंह 19/15
3	गुरु	23	मघा	सिंह
4	शुक्र	24	पूफा	कन्या 21/36
5	शनि	25	उफा	कन्या
6	रवि	26	हस्त	तुला 23/48
7	चन्द्र	27	चि	तुला
8	चन्द्र	0	0	0
9	मंगल	28	स्वा	वृश्चिक 26/48
10	बुध	29	वि	वृश्चिक
11	गुरु	30	अनु	वृश्चिक
12	शुक्र	31	ज्ये	धनु 07/04
13	शनि	1	मूल	धनु
14	रवि	2	पूषा	मकर 12/56
15	चन्द्र	3	उषा	मकर

बंधन संसार है और चारित्र्य इसे काटने की क्रिया है ।

भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दिनांक 04 अगस्त से 19 अगस्त)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	मंगल	4	श्र	कुंभ 20/46
2	बुध	5	ध	कुंभ
3	गुरु	6	श	कुंभ
4	शुक्र	7	पूभा	मीन 06/56
5	शनि	8	उभा	मीन
6	रवि	9	रे	मेष 19/05
6	चन्द्र	10	अ	मेष
7	मंगल	11	भ	मेष
8	बुध	12	कृ	वृषभ 07/36
9	गुरु	13	रो	वृषभ
10	शुक्र	14	मृ	मिथुन 18/04
11	शनि	15	मृ	मिथुन
12	रवि	16	आर्द्रा	कर्क 24/52
13	चन्द्र	17	पुन	कर्क
14	मंगल	18	श्ले	सिंह 28/07
30	बुध	19	मघा	सिंह

किसी का बिगाड़ो मत, किसी से बिगाड़ो मत ।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दिनांक 20 अगस्त से 02 सितम्बर)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	बुध	0	0	0
2	गुरु	20	पूषा	कन्या 29/14
3	शुक्र	21	उषा	कन्या
4	शनि	22	हस्त	तुला 30/06
5	रवि	23	चि	तुला
6	चन्द्र	24	स्वा	तुला
7	मंगल	25	वि	वृश्चिक 08/16
8	बुध	26	अनु	वृश्चिक
9	गुरु	27	ज्ये	धनु 12/36
10	शुक्र	28	मूल	धनु
11	शनि	29	पूषा	मकर 19/12
12	रवि	30	उषा	मकर
13	चन्द्र	31	श्र	कुंभ 27/47
14	मंगल	1	ध	कुंभ
15	बुध	2	श	कुंभ

वचन सिद्धि के लिए वचन शुद्धि आवश्यक है।

प्र.आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 03 सितम्बर से 17 सितम्बर)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	गुरु	3	पूभा	मीन 14/14
2	शुक्र	4	उभा	मीन
3	शनि	5	रे	मेष 26/20
4	रवि	6	अ	मेष
5	चन्द्र	7	भ	मेष
6	मंगल	8	भ	वृषभ 15/09
7	बुध	9	कृ	वृषभ
8	गुरु	10	रो	मिथुन 26/36
9	शुक्र	11	मृ	मिथुन
10	शनि	12	आर्द्रा	मिथुन
11	रवि	13	पुन	कर्क 10/35
12	चन्द्र	14	पुष्य	कर्क
13	मंगल	15	श्ले	सिंह 14/24
14	बुध	16	मघा	सिंह
30	गुरु	17	पूफा	कन्या 15/06

व्रत लेने से आत्मा का नियमन होता है।

प्र. आश्विन शुक्ल पक्ष (दिनांक 18 सितम्बर से 01 अक्टूबर)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शुक्र	18	उफा	कन्या
2	शनि	19	चित्रा	तुला 14/41
3	शनि	0	0	0
4	रवि	20	स्वा	तुला
5	चन्द्र	21	वि	वृश्चिक 15/16
6	मंगल	22	अनु	वृश्चिक
7	बुध	23	ज्ये	धनु 18/24
8	गुरु	24	मूल	धनु
9	शुक्र	25	पूषा	मकर 24/41
10	शनि	26	उषा	मकर
11	रवि	27	श्र	मकर
12	चन्द्र	28	ध	कुंभ 09/40
13	मंगल	29	श	कुंभ
14	बुध	30	पूभा	मीन 20/36
15	गुरु	1	उभा	मीन

समय मिला अनमोल, धर्म करो दिल खोल ।

द्वि. आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 02 अक्टूबर से 16 अक्टूबर)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शुक्र	2	रे	मीन
2	शनि	3	रे	मेष 08/50
2	रवि	4	अ	मेष
3	चन्द्र	5	भ	वृषभ 21/41
4	मंगल	6	कृ	वृषभ
5	बुध	7	रो	वृषभ
6	गुरु	8	मृ	मिथुन 09/46
7	शुक्र	9	आर्द्रा	मिथुन
8	शनि	10	पुन	कर्क 19/09
9	रवि	11	पुष्य	कर्क
10	चन्द्र	12	श्ले	सिंह 24/29
11	मंगल	13	मघा	सिंह
12	बुध	14	पूफा	कन्या 26/01
13	गुरु	15	उफा	कन्या
14	गुरु	0	0	0
30	शुक्र	16	हस्त	तुला 25/24

‘संघ’ शीतल घर की तरह है।

द्वि. आश्विन शुक्ल पक्ष (दिनांक 17 अक्टूबर से 31 अक्टूबर)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शनि	17	चि	तुला
2	रवि	18	स्वा	वृश्चिक 24/46
3	चन्द्र	19	अनु	वृश्चिक
4	मंगल	20	ज्ये	धनु 26/11
5	बुध	21	मूल	धनु
6	गुरु	22	पूषा	धनु
7	शुक्र	23	उषा	मकर 07/01
8	शनि	24	श्र	मकर
9	रवि	25	ध	कुंभ 15/25
10	चन्द्र	26	श	कुंभ
11	मंगल	27	पूषा	मीन 26/30
12	बुध	28	पूषा	मीन
13	गुरु	29	उषा	मीन
14	शुक्र	30	रे	मेष 14/56
15	शनि	31	अ	मेष

व्यक्ति का रक्षण संघ द्वारा होता है ।

कार्तिक कृष्ण पक्ष (दिनांक 01 नवम्बर से 15 नवम्बर)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	रवि	1	भ	वृषभ 27/40
2	चन्द्र	2	कृ	वृषभ
3	मंगल	3	रो	वृषभ
4	बुध	4	मृ	मिथुन 15/42
5	गुरु	5	आर्द्रा	मिथुन
6	शुक्र	6	पुन	कर्क 25/47
6	शनि	7	पुन	कर्क
7	रवि	8	पुष्य	कर्क
8	रवि	0	0	0
9	चन्द्र	9	श्ले	सिंह 08/41
10	मंगल	10	मघा	सिंह
11	बुध	11	उफा	कन्या 12/00
12	गुरु	12	हस्त	कन्या
13	शुक्र	13	चि	तुला 12/31
14	शनि	14	स्वा	तुला
30	रवि	15	वि	वृश्चिक 11/57

साधना के मार्ग में चलने से मनुष्य में निर्भयता आती है।

कार्तिक शुक्ल पक्ष (दिनांक 16 नवम्बर से 30 नवम्बर)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	चन्द्र	16	अनु	वृश्चिक
2	चन्द्र	0	0	0
3	मंगल	17	ज्ये	धनु 12/20
4	बुध	18	मूल	धनु
5	गुरु	19	पूषा	मकर 15/29
6	शुक्र	20	उषा	मकर
7	शनि	21	श्र	कुंभ 22/25
8	रवि	22	ध	कुंभ
9	चन्द्र	23	श	कुंभ
10	मंगल	24	पूषा	मीन 08/51
11	बुध	25	उभा	मीन
12	गुरु	26	रे	मेष 21/19
12	शुक्र	27	अ	मेष
13	शनि	28	भ	मेष
14	रवि	29	कृ	वृषभ 10/00
15	चन्द्र	30	रो	वृषभ

नवकार की निधि, वीतराग बनने की विधि ।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दिनांक 01 दिसम्बर से 14 दिसम्बर)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	मंगल	1	रो	मिथुन 21/36
2	बुध	2	मृ	मिथुन
3	गुरु	3	आर्द्रा	मिथुन
4	शुक्र	4	पुन	कर्क 07/21
5	शनि	5	पुष्य	कर्क
6	रवि	6	श्ले	सिंह 14/45
7	चन्द्र	7	मघा	सिंह
8	मंगल	8	पूफा	कन्या 19/31
9	बुध	9	उफा	कन्या
10	गुरु	10	हस्त	तुला 21/51
11	शुक्र	11	चि	तुला
12	शुक्र	0	0	0
13	शनि	12	वि	वृश्चिक 22/40
14	रवि	13	अनु	वृश्चिक
30	चन्द्र	14	ज्ये	धनु 23/25

जिनशासन त्यागियों का शासन है, रागियों का नहीं।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दिनांक 15 दिसम्बर से 30 दिसम्बर)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	मंगल	15	मूल	धनु
2	बुध	16	पूषा	मकर 25/47
3	गुरु	17	उषा	मकर
4	शुक्र	18	श्र	कुंभ 31/15
5	शनि	19	ध	कुंभ
6	रवि	20	श	कुंभ
7	चन्द्र	21	पूषा	मीन 16/28
8	मंगल	22	उषा	मीन
9	बुध	23	रे	मेष 28/32
10	गुरु	24	अ	मेष
11	शुक्र	25	अ	मेष
12	शनि	26	भ	वृषभ 17/17
13	रवि	27	कृ	वृषभ
14	चन्द्र	28	रो	मिथुन 28/38
14	मंगल	29	मृ	मिथुन
15	बुध	30	आर्द्रा	मिथुन

धन कदापि तारने वाला नहीं, केवल धर्म ही तारने वाला है।

पौष कृष्ण पक्ष (दिनांक 31 दिसम्बर से 13 जनवरी)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	गुरु	31	पुन	कर्क 13/37
2	शुक्र	1	पुष्य	कर्क
3	शनि	2	श्ले	सिंह 20/16
4	रवि	3	मघा	सिंह
5	रवि	0	0	0
6	चन्द्र	4	पुफा	कन्या 25/03
7	मंगल	5	उफा	कन्या
8	बुध	6	हस्त	तुला 28/28
9	गुरु	7	चि	तुला
10	शुक्र	8	स्वा	वृश्चिक 30/57
11	शनि	9	वि	वृश्चिक
12	रवि	10	अनु	वृश्चिक
13	चन्द्र	11	ज्ये	धनु 09/08
14	मंगल	12	मूल	धनु
30	बुध	13	उषा	मकर 12/05

जीवन में धर्म का स्थान वृक्ष में मूल के समान है।

पौष शुक्ल पक्ष (दिनांक 14 जनवरी से 28 जनवरी)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	गुरु	14	श्र	मकर
2	शुक्र	15	ध	कुंभ 17/05
3	शनि	16	श	कुंभ
4	रवि	17	पूभा	मीन 25/15
5	चन्द्र	18	पूभा	मीन
6	मंगल	19	उभा	मीन
7	बुध	20	रे	मेष 12/35
8	गुरु	21	अ	मेष
9	शुक्र	22	भ	वृषभ 25/24
10	शनि	23	कृ	वृषभ
11	रवि	24	रो	वृषभ
12	चन्द्र	25	मृ	मिथुन 13/02
13	मंगल	26	आर्द्रा	मिथुन
14	बुध	27	पुन	कर्क 21/42
15	गुरु	28	पुष्य	कर्क

मनुष्य जीवन का महत्त्व व्रत-नियम से है।

माघ कृष्ण पक्ष (दिनांक 29 जनवरी से 11 फरवरी)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शुक्र	29	श्ले	सिंह 27/20
2	शनि	30	मघा	सिंह
3	रवि	31	पूफा	कन्या 30/57
4	चन्द्र	1	उफा	कन्या
5	मंगल	2	हस्त	कन्या
6	बुध	3	चि	तुला 09/49
7	गुरु	4	स्वा	तुला
8	शुक्र	5	वि	वृश्चिक 12/46
9	शनि	6	अनु	वृश्चिक
10	शनि	0	0	0
11	रवि	7	ज्ये	धनु 16/14
12	चन्द्र	8	मूल	धनु
13	मंगल	9	पूषा	मकर 20/29
14	बुध	10	उषा	मकर
30	गुरु	11	श्र	कुंभ 26/10

धर्म धारण करूँ, मोह निवारण करूँ।

माघ शुक्ल पक्ष (दिनांक 12 फरवरी से 27 फरवरी)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शुक्र	12	ध	कुंभ
2	शनि	13	श	कुंभ
3	रवि	14	पूभा	मीन 10/08
4	चन्द्र	15	उभा	मीन
5	मंगल	16	रे	मेष 20/55
6	बुध	17	अ	मेष
6	गुरु	18	भ	मेष
7	शुक्र	19	कृ	वृषभ 09/40
8	शनि	20	रो	वृषभ
9	रवि	21	रो	मिथुन 21/54
10	चन्द्र	22	मृ	मिथुन
11	मंगल	23	आर्द्रा	कर्क 31/09
12	बुध	24	पुन	कर्क
13	गुरु	25	पुष्य	कर्क
14	शुक्र	26	श्ले	सिंह 12/34
15	शनि	27	मघा	सिंह

देह का ध्यान आर्तध्यान, आत्मा का ध्यान धर्मध्यान ।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दिनांक 28 फरवरी से 13 मार्च)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	रवि	28	पूफा	कन्या 15/06
2	चन्द्र	1	उफा	कन्या
3	चन्द्र	0	0	0
4	मंगल	2	चि	तुला 16/29
5	बुध	3	स्वा	तुला
6	गुरु	4	वि	वृश्चिक 18/19
7	शुक्र	5	अनु	वृश्चिक
8	शनि	6	ज्ये	धनु 21/37
9	रवि	7	मूल	धनु
10	चन्द्र	8	पूषा	मकर 26/38
11	मंगल	9	उषा	मकर
12	बुध	10	श्र	मकर
13	गुरु	11	ध	कुंभ 09/20
14	शुक्र	12	श	कुंभ
30	शनि	13	पूषा	मीन 17/56

वक्ता चारित्र सम्पन्न हो, श्रोता श्रद्धा सम्पन्न हो।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दिनांक 14 मार्च से 28 मार्च)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	रवि	14	उभा	मीन
2	चन्द्र	15	रे	मेष 28/42
3	मंगल	16	अ	मेष
4	बुध	17	अ	मेष
5	गुरु	18	भ	वृषभ 17/21
6	शुक्र	19	कृ	वृषभ
7	शनि	20	रो	मिथुन 30/08
7	रवि	21	मृ	मिथुन
8	चन्द्र	22	आर्द्रा	मिथुन
9	मंगल	23	पुन	कर्क 16/29
10	बुध	24	पुष्य	कर्क
11	गुरु	25	श्ले	सिंह 22/48
12	शुक्र	26	मघा	सिंह
13	शुक्र	0	0	0
14	शनि	27	पूफा	कन्या 25/19
15	रवि	28	उफा	कन्या

तू तेरी संभाल, छोड़ के सब जंजाल ।

चैत्र कृष्ण पक्ष (दिनांक 29 मार्च से 12 अप्रैल)

तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	चन्द्र	29	हस्त	तुला 25/41
2	मंगल	30	चि	तुला
3	बुध	31	स्वा	वृश्चिक 25/55
4	गुरु	1	वि	वृश्चिक
5	शुक्र	2	ज्ये	धनु 27/43
6	शुक्र	0	0	0
7	शनि	3	मूल	धनु
8	रवि	4	पूषा	धनु
9	चन्द्र	5	उषा	मकर 08/01
10	मंगल	6	श्र	मकर
11	बुध	7	ध	कुंभ 14/59
12	गुरु	8	श	कुंभ
13	शुक्र	9	पूषा	मीन 24/16
14	शनि	10	पूषा	मीन
30	रवि	11	उषा	मीन
30	चन्द्र	12	रे	मेघ 11/28

सबसे बड़ा विश्वास अपनी आत्मा पर होना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण पर्व - तिथियाँ

- * आयंबिल ओली प्रारम्भ
चैत्र शुक्ला 7, मंगलवार, 31.03.2020
- * भगवान महावीर जन्म कल्याणक
चैत्र शुक्ला 13, सोमवार, 06.4.2020
- * आयंबिल ओली पूर्ण
चैत्र शुक्ला 15, बुधवार, 08.4.2020
- * अक्षय तृतीया (वर्षीतप पारणा), आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 91वाँ आचार्य पद दिवस एवं आचार्य पूज्य श्री कजोड़ीमलजी म.सा. का 141 वां स्मृति दिवस
वैशाख शुक्ला 3, रविवार, 26.4.2020
- * आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमलजी म.सा. का 29 वां स्मृति दिवस, (सामूहिक प्रार्थना दिवस)
वैशाख शुक्ला 8, शुक्रवार, 01.05.2020
- * भगवान महावीर केवल कल्याणक
वैशाख शुक्ला 10, रविवार, 03.05.2020
- * संघ स्थापना दिवस
वैशाख शुक्ला 11, सोमवार, 04.05.2020

अर्पण के बिना आराधना अपूर्ण है।

- ❖ आचार्य प्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. का 30 वां आचार्य पदारोहण दिवस
ज्येष्ठ कृष्णा 5, सोमवार, 11.05.2020
- ❖ परम्परा के मूलपुरुष पूज्य श्री कुशलचन्द्रजी म.सा. का 237वां स्मृति दिवस
ज्येष्ठ कृष्णा 6, मंगलवार, 12.05.2020
- ❖ क्रियोद्धारक आचार्य पूज्य श्री रत्नचन्द्रजी म.सा. का 175वां स्मृति दिवस
ज्येष्ठ शुक्ला 14, गुरुवार, 04.06.2020
- ❖ 224 वाँ क्रियोद्धार दिवस
आषाढ़ कृष्णा 2, रविवार, 07.06.2020
- ❖ आर्द्रा नक्षत्र प्रारम्भ (इसके पश्चात् गाजबीज होने पर सूत्र की असज्झाय नहीं रहेगी।) सूर्यग्रहण
आषाढ़ कृष्णा 30, रविवार, 21.06.2020
- ❖ चातुर्मास प्रारम्भ (चातुर्मासिक पर्व)
आषाढ़ शुक्ला 14, शनिवार, 04.7.2020
- ❖ आचार्य पूज्य श्री शोभाचन्द्रजी म.सा. का 94वां स्मृति दिवस
श्रावण कृष्णा 30, सोमवार, 20.7.2020
- ❖ पर्युषण पर्व प्रारम्भ
भाद्रपद कृष्णा 11, शनिवार, 15.08.2020

जीवन शिक्षा काल है, तो मरण परीक्षाकाल है।

- ❁ संवत्सरी महापर्व
भाद्रपद शुक्ला 4, शनिवार, 22.08.2020
- ❁ श्राविका गौरव दिवस (संस्कार बोध दिवस)
प्र. आश्विन शुक्ला 8, गुरुवार, 24.09.2020
- ❁ आयंबिल ओली प्रारम्भ, स्वाति नक्षत्र प्रारम्भ (इसके पश्चात् गाजबीज होने पर सूत्र की असज्जाय रहेगी)
द्वि. आश्विन शुक्ला 7, शुक्रवार, 23.10.2020
- ❁ आचार्य पूज्य श्री भूधरजी म.सा. का स्मृति दिवस
द्वि. आश्विन शुक्ला 10, सोमवार, 26.10.2020
- ❁ आयंबिल ओली पूर्ण
द्वि. आश्विन शुक्ला 15, शनिवार, 31.10.2020
- ❁ आचार्य पूज्य श्री हमीरमलजी म.सा. का 167 वां स्मृति दिवस
कार्तिक कृष्णा 1, रविवार, 01.11.2020
- ❁ आचार्य पूज्य श्री गुमानचन्द्रजी म.सा. का 219 वां स्मृति दिवस
कार्तिक कृष्णा 8, रविवार, 08.11.2020
- ❁ भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक
कार्तिक कृष्णा 30, रविवार, 15.11.2020
- ❁ वीर संवत् 2547 प्रारम्भ एवं गौतम प्रतिपदा
कार्तिक शुक्ला 1, सोमवार, 16.11.2020
- ❁ संघ समर्पण दिवस (संकल्प दिवस)
कार्तिक शुक्ला 3, मंगलवार, 17.11.2020

मन बदल जाता है तो जीवन बदलते देर नहीं लगती ।

- ❖ ज्ञान पंचमी
कार्तिक शुक्ला 5, गुरुवार, 19.11.2020
- ❖ आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. का 58 वाँ दीक्षा दिवस
कार्तिक शुक्ला 6, शुक्रवार, 20.11.2020
- ❖ चातुर्मास समापन (चातुर्मासिक पर्व)
कार्तिक शुक्ला 14, रविवार, 29.11.2020
- ❖ वीर लोकाशाह जयन्ती
कार्तिक शुक्ला 15, सोमवार, 30.11.2020
- ❖ आचार्य पूज्य श्री विनयचन्द्रजी म.सा. की 105 वां स्मृति दिवस
मार्गशीर्ष कृष्णा 12, शुक्रवार, 11.12.2020
- ❖ मौन एकादशी
मार्गशीर्ष शुक्ला 11, शुक्रवार, 25.12.2020
- ❖ भगवान पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक
पौष कृष्णा 10, शुक्रवार, 08.01.2021
- ❖ फाल्गुनी चौमासी पर्व (चातुर्मासिक पर्व)
फाल्गुन शुक्ला 15, रविवार, 28.03.2021
- ❖ भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक एवं आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. का 83 वाँ जन्म दिवस
चैत्र कृष्णा 8, रविवार, 04.04.2021

धर्म के प्रचार में भी आचार का बल चाहिए।

पच्चक्खाण

नवकारसी : उग्गए सूरे णमुक्कारसहियं पच्चक्खामि चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थणाभोगेणं सहसागारेणं वोसिरामि ।

पोरसि : उग्गए सूरे पोरिसियं पच्चक्खामि चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थणाभोगेणं सहसागारेणं पच्छन्नकालेणं दिसामोहेणं साहुवयणेणं सव्वसमाहि—वत्तियागारेणं वोसिरामि ।

एकासन : उग्गए सूरे एगासणं पच्चक्खामि तिविहंपि आहारं असणं खाइमं साइमं अण्ण—त्थणाभोगेणं सहसागारेणं सागारियागारेणं आउंढुणपसारणेणं गुरुअब्भुद्धाणेणं महत्त—रागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ।

पाप घटाने के लिए आवश्यकता पर नियन्त्रण आवश्यक है ।

आयंबिल : उग्गए सूरे आयंबिलं पच्चक्खामि
अण्णत्थणाभोगेणं सहसागारेणं लेवालेवेणं
उक्खित्तविवेगेणं गिहिसंसट्ठेणं महत्तरागारेणं
सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ।

उपवास : उग्गए सूरे अभत्तद्धं पच्चक्खामि
चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं
अण्णत्थणाभोगेणं सहसागारेणं महत्तरागारेणं
सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ।

पच्चक्खाण पारने का पाठ

..... पच्चक्खाणं कयं तं पच्चक्खाणं सम्मं
काएणं, न फासियं, न पालियं, न तीरियं, न
किट्टियं, न सोहियं, न आराहियं, आणाए
अणुपालियं न भवइ तस्स मिच्छा मि दुक्कडं ।

नोट : रिक्त स्थान में जो पच्चक्खाण किया हो उसका नाम
बोलें जैसे णमुक्कारसहियं, पोरिसियं, एगासणं आदि ।

क्रियात्मक सेवा, भावात्मक सेवा को सजीव बनाती है ।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका

जोधपुर

माह	सूर्योदय	सूर्यास्त	नवकारसी	पौरषी
जन. 1 16	7.26 7.28	5.57 6.08	8.14 8.16	10.04 10.08
फर. 1 16	7.23 7.13	6.21 6.31	8.11 8.01	10.08 10.03
मार्च 1 16	7.01 6.46	6.40 6.47	7.49 7.34	9.56 9.46
अप्रैल 1 16	6.29 6.13	6.56 7.03	7.17 7.01	9.36 9.26
मई 1 16	6.01 5.51	7.10 7.18	6.49 6.39	9.18 9.13
जून 1 16	5.46 5.46	7.26 7.32	6.34 6.34	9.11 9.13
जुलाई 1 16	5.59 5.56	7.35 7.33	6.37 6.44	9.16 9.20
अगस्त 1 16	6.04 6.10	7.26 7.13	6.52 6.58	9.25 9.26
सित. 1 16	6.17 6.24	6.59 6.43	7.05 7.12	9.28 9.28
अक्टू. 1 16	6.31 6.38	6.25 6.10	7.19 7.26	9.30 9.31
नव. 1 16	6.47 6.58	5.57 5.49	7.35 7.46	9.34 9.41
दिस. 1 16	7.09 7.19	5.45 5.48	7.57 8.07	9.48 9.56

बुराई करो नहीं, भलाई का फल चाहो नहीं।

पञ्चक्खाण मार्गदर्शिका

जयपुर

माह	सूर्योदय	सूर्यास्त	नवकारसी	पौरषी
जन. 1 16	7.17 7.17	5.43 5.56	8.05 8.05	9.54 9.57
फर. 1 16	7.14 7.03	6.08 6.18	8.02 7.51	9.58 9.52
मार्च 1 16	6.53 6.37	6.26 6.35	7.41 7.25	9.47 9.37
अप्रैल 1 16	6.18 6.04	6.43 6.51	7.06 6.52	9.25 9.16
मई 1 16	5.50 5.40	6.59 7.07	6.38 6.28	9.08 9.02
जून 1 16	5.33 5.33	7.15 7.22	6.21 6.21	8.59 9.01
जुलाई 1 16	5.36 5.43	7.24 7.22	6.24 6.31	9.03 9.08
अगस्त 1 16	5.52 5.59	7.14 7.03	6.40 6.47	9.13 9.15
सित. 1 16	6.06 6.14	6.48 6.30	6.54 7.02	9.17 9.18
अक्टू. 1 16	6.21 6.28	6.13 5.57	7.09 7.16	9.19 9.21
नव. 1 16	6.38 6.49	5.42 5.34	7.26 7.37	9.24 9.31
दिस. 1 16	7.00 7.10	5.33 5.35	7.48 7.58	9.39 9.47

आचार वह है जो जीवन को पवित्र बनावे ।

पचवखाण मार्गदर्शिका

मुम्बई

माह	सूर्योदय	सूर्यास्त	नवकारसी	पौरषी
जन. 1 16	7.13 7.16	6.11 6.20	8.01 8.04	9.58 10.02
फर. 1 16	7.15 7.09	6.30 6.37	8.03 7.57	10.04 10.01
मार्च 1 16	7.00 6.48	6.43 6.47	7.48 7.36	9.56 9.48
अप्रैल 1 16	6.35 6.23	6.51 6.55	7.23 7.11	9.39 9.31
मई 1 16	6.13 6.06	6.59 7.04	7.01 6.54	9.25 9.21
जून 1 16	6.02 6.03	7.10 7.15	6.50 6.51	9.19 9.21
जुलाई 1 16	6.06 6.11	7.18 7.18	6.54 6.59	9.24 9.28
अगस्त 1 16	6.17 6.21	7.13 7.05	7.05 7.09	9.31 9.32
सित. 1 16	6.25 6.28	6.53 6.41	7.13 7.16	9.32 9.32
अक्टू. 1 16	6.30 6.34	6.27 6.15	7.18 7.22	9.30 9.30
नव. 1 16	6.40 6.48	6.05 5.59	7.28 7.36	9.32 9.36
दिस. 1 16	6.56 7.06	5.59 6.03	7.44 7.54	9.42 9.51

विश्वास अटल, साधना सफल ।

पञ्चक्वाण मार्गदर्शिका

चैन्नई

माह	सूर्योदय	सूर्यास्त	नवकारसी	पौरषी
जन. 1 16	6.33 6.37	5.52 5.59	7.21 7.25	9.23 9.28
फर. 1 16	6.37 6.33	6.08 6.13	7.25 7.21	9.30 9.28
मार्च 1 16	6.27 6.18	6.16 6.18	7.15 7.06	9.25 9.18
अप्रैल 1 16	6.07 5.57	6.19 6.20	6.55 6.45	9.10 9.03
मई 1 16	5.50 5.45	6.23 6.26	6.38 6.33	8.59 8.56
जून 1 16	5.43 5.44	6.30 6.35	6.31 6.32	8.55 8.57
जुलाई 1 16	5.47 5.51	6.38 6.38	6.35 6.39	9.00 9.03
अगस्त 1 16	5.55 5.58	6.36 6.29	6.43 6.46	9.06 9.06
सित. 1 16	5.59 5.59	6.20 6.09	6.47 6.47	9.05 9.02
अक्टू. 1 16	6.00 6.01	5.58 5.49	6.48 6.49	9.00 8.58
नव. 1 16	6.04 6.10	5.41 5.38	6.52 6.58	8.59 9.02
दिस. 1 16	6.17 6.25	5.39 5.44	7.05 7.13	9.08 9.15

भला व्यक्ति भी नीच की संगति से कलंकित होता है।

रोहिणी नक्षत्र

चैत्र शुक्ला	6	सोमवार	30.03.2020
वैशाख शुक्ला	3	रविवार	26.04.2020
ज्येष्ठ शुक्ला	1	शनिवार	23.05.2020
आषाढ कृष्णा	14	शनिवार	20.06.2020
श्रावण कृष्णा	12	शुक्रवार	17.07.2020
भाद्रपद कृष्णा	9	गुरुवार	13.08.2020
प्र.आश्विन कृष्णा	8	गुरुवार	10.09.2020
द्वि. आश्विन कृष्णा	5	बुधवार	07.10.2020
कार्तिक कृष्णा	3	मंगलवार	03.11.2020
कार्तिक शुक्ला	15	सोमवार	30.11.2020
मार्गशीर्ष कृष्णा	1	मंगलवार	01.12.2020
मार्गशीर्ष शुक्ला	14	सोमवार	28.12.2020
पौष शुक्ला	11	रविवार	24.01.2021
माघ शुक्ला	8	शनिवार	20.02.2021
फाल्गुन शुक्ला	7	शनिवार	20.03.2021

सूर्यग्रहण

आषाढ कृष्णा	30	रविवार	21.06.2020
-------------	----	--------	------------

विज्ञान ने गति दी, पर धर्म ने दिशा दी।

पुष्य नक्षत्र दिनांक अनुसार

प्रारम्भ	पूर्ण
02.04.20 गुरु सांय 07:28 से	03.04.20 शुक्र सांय 06:40 तक
29.04.20 बुध रात्रि 02:02 से	30.04.20 गुरु रात्रि 01:52 तक
27.05.20 बुध प्रातः 07:28 से	28.05.20 गुरु प्रातः 07:26 तक
23.06.20 मंगल दोप. 01:33 से	24.06.20 बुध दोप. 01:09 तक
20.07.20 सोम रात्रि 09:21 से	21.07.20 मंगल रात्रि 08:29 तक
17.08.20 सोम प्रातः 06:44 से	17.08.20 सोम रात्रि 05:42 तक
13.09.20 रवि दोप. 04:34 से	14.09.20 सोम दोप. 03:51 तक
10.10.20 शनि रात्रि 01:18 से	11.10.20 रवि रात्रि 01:18 तक
07.11.20 शनि प्रातः 08:05 से	08.11.20 रवि प्रातः 08:44 तक
04.12.20 शुक्र दोप. 01:39 से	05.12.20 शनि दोप. 02:27 तक
31.12.20 गुरु सांय 07:49 से	01.01.21 शुक्र सांय 08:14 तक
27.01.21 बुध प्रातः 03:49 से	28.01.21 गुरु रात्रि 03:49 तक
24.02.21 बुध दोप. 01:17 से	25.02.21 गुरु दोप. 1:16 तक
23.03.20 मंगल रात्रि 10:45 से	24.03.2021 बुध रात्रि 11:11 तक

मोह का क्षय ही मोक्ष है ।

राहुकाल

वार	समय	बेला
रवि	सायं	4.30 से 6.00
सोम	प्रातः	7.30 से 9.00
मंगल	अपराह्न	3.00 से 4.30
बुध	मध्याह्न	12.00 से 1.30
गुरु	अपराह्न	1.30 से 3.00
शुक्र	पूर्वाह्न	10.30 से 12.00
शनि	प्रातः	9.00 से 10.30

दिशा शूल विचार

पूर्व	: सोमवार और शनिवार
पश्चिम	: रविवार और शुक्रवार
उत्तर	: मंगलवार और बुधवार
दक्षिण	: गुरुवार

चन्द्र राशि विचार

पूर्व	: मेष, सिंह, धनु
पश्चिम	: मिथुन, तुला, कुंभ
उत्तर	: कर्क, वृश्चिक, मीन
दक्षिण	: वृषभ, कन्या, मकर

दान, परिग्रह रूपी पाप का प्रायश्चित्त है।

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

आगम के दर्पण में आत्म-दर्शन हो ।

संघ -संरक्षकगण

संयोजक

श्री मोफतराजजी मुणोत-मुम्बई 98200-72724

संरक्षक

श्री नथमलजी हीरावत-जयपुर 0141-2225095

श्री देवेन्द्रराजजी मेहता-जयपुर 93145-66665

श्री सुरेशदादा जैन-जलगाँव 98200-47776

श्री रिखबराजजी बाफना-जलगाँव 94222-07495

श्री ईश्वरलालजी ललवाणी-जलगाँव 98609-69000

श्री रतनलालजी बाफना-जलगाँव 98230-76551

श्री कैलाशचन्दजी हीरावत-जयपुर 99290-56442

श्री जसराजजी चौपड़ा-जयपुर 94133-49454

श्री रावलचन्दजी चौपड़ा-जोधपुर 78772-99301

श्री नवरतनजी कोठारी-जयपुर 0141-2369831

श्री सरदारसिंहजी कर्नावट-मुम्बई 98330-09595

श्री सुमेरसिंहजी बोथरा-जयपुर 94140-48830

न्यायमूर्ति श्री राजेन्द्रमल जी लोढ़ा-दिल्ली 011-26013040

न्यायमूर्ति श्री दलवीर जी भण्डारी-दिल्ली 011-23019733

श्री विमलचन्दजी डागा-जयपुर 98290-11588

श्री प्रसन्नचन्दजी बाफना-जोधपुर 94133-29762

ऊपर उठना है, तो अपने से ऊपर वाले को देखो ।

शासन-सेवा समिति

संयोजक

श्री रतनलालजी बाफना-जलगाँव 98230-76551

सह-संयोजक

श्री कैलाशचन्दजी हीरावत-जयपुर 99290-56442

सदस्य

श्री नथमलजी हीरावत-जयपुर 0141-2225095

डॉ. मंजुलाजी बम्ब-जयपुर 77423-66151

श्री गौतमचन्दजी हुण्डीवाल-चेन्नई 94443-88565

श्री कांतिलालजी चौधरी-धुलिया 98231-72765

श्री गौतमराजजी सुराणा-चेन्नई 99405-58888

श्री नौरतनमलजी मेहता-जोधपुर 94148-27471

ट्रस्टीगण गजेन्द्रनिधि/गजेन्द्र फाऊण्डेशन

श्री मोफतराजजी मुणोत-मुम्बई (मैनेजिंग ट्रस्टी) 022-23648004

श्री नवरतनजी कोठारी-जयपुर (चेयरमेन) 022-23693939

श्री सरदारसिंहजी कर्नावट-मुम्बई 98330-09595

श्री परागजी मुणोत-मुम्बई 98200-68668

श्री पारसचन्दजी हीरावत-मुम्बई 98210-13530

श्री राजीवजी हीरावत-मुम्बई 022-23690538

श्री प्रणितजी बसन्तजी जैन-मुम्बई 99209-86414

धर्म क्रिया और परिवर्तन नहीं हुआ तो धर्म क्रिया व्यर्थ गई।

श्री आनंदजी सूर्यप्रकाशजी प्रवीणजी कर्नावट-मुम्बई	96198-38614
श्री रतनराजजी भण्डारी-मुम्बई	93226-41172
श्री धनपतराजजी विजयराजजी भंसाली-मुम्बई	93239-61945
श्री अशोककुमारजी गुन्देचा-मुम्बई	98195-33600
श्री धर्मचन्दजी हीरावत-मुम्बई	022-40185000
श्री नरेन्द्रजी हीरावत-मुम्बई	98210-40899
श्री रायचन्दजी हीरावत-मुम्बई	98213-53734
श्री नरेन्द्रजी उम्मेदमलजी जैन-मुम्बई	98201-44185
श्री रविजी एन. जैन-मुम्बई	98201-55313
श्री प्रदीपकुमारजी कोठारी-मुम्बई	93222-21861
श्री कनकराजजी महेन्द्रजी कुम्भट-मुम्बई	97694-25842
श्री नरेशमलजी लोढा-मुम्बई	98200-24739
श्री अजयजी मुणोत-मुम्बई	98210-25290
श्री मदनलालजी सांखला-मुम्बई	98200-57718
श्री सुरेन्द्रराजजी मेहता-मुम्बई	98201-88102
श्रीमती सान्याजी सुरेन्द्रराज जी मेहता-मुम्बई	98201-88102
उर्वशीजी सुपुत्री सुरेन्द्रराज जी मेहता-मुम्बई	98201-88102
श्री सिद्धार्थजी नन्दकिशोरजी बाफना-मुम्बई	98210-19475
श्री अनिलजी पुखराजजी सुराणा-मुम्बई	98695-41530
श्री महावीरप्रसादजी,शांतिलालजी,अतुलजी, मुकेशजी पालरेचा-मुम्बई	99307-43711
श्रीमती देवबालाजी राजेन्द्रजी भण्डारी-मुम्बई	99670-95234

आचार शुद्धि के लिये आहार शुद्धि आवश्यक है।

श्री अनुरागजी भण्डारी-बैंगलोर	98808-31108
श्री चेतनप्रकाशजी डूंगरवाल-बैंगलोर	98452-25344
श्री भोपालचन्द्रजी पगारिया-बैंगलोर	94494-25535
श्रीमती किरणजी ललितजी बालिया-बैंगलोर	080-41223041
श्री गौतमचन्द्रजी गणेशमलजी भण्डारी-बैंगलोर	90083-55550
श्री पदमराजजी मेहता-बैंगलोर	99001-62517
श्रीमती सरोजावाईजी मूथा-बैंगलोर	080-22221265
श्री यशवन्तराजजी ललितकुमारजी सांखला-बैंगलोर	98450-19669
श्री छगनलालजी शांतिलालजी तुणावत-बैंगलोर	98450-05130
श्री धनरूपचन्द्रजी अमितकुमारजी मेहता-बैंगलोर	93412-21084
श्री रतनलालजी बाफना-जलगाँव	98230-76551
श्री सिद्धार्थजी बाफना-जलगाँव	85529-71711
श्री सुरेशदादा जैन-जलगाँव	98200-47776
श्री ईश्वरलालजी ललवाणी-जलगाँव	98609-69000
श्रीमती पुष्पाजी ईश्वरलालजी ललवाणी-जलगाँव	0257-2226682
श्री मनीषकुमारजी ललवाणी-जलगाँव	98600-99961
श्रीमती नीतिकाजी मनीषकुमारजी ललवाणी-जलगाँव	0257-2226683
श्री अमरीशजी ईश्वरलालजी ललवाणी-जलगाँव	99210-01854
श्रीमती रूचीजी अमरीशजी ललवाणी-जलगाँव	0257-2226681
श्री कस्तूरचन्द्रजी बाफना-जलगाँव	98222-18754
श्री सुशीलकुमारजी के. बाफना-जलगाँव	99755-66444

मन को साधा तो, मिटेगी सारी बाधा ।

श्री अशोकजी भँवरलालजी जैन-जलगाँव	0257-2258011
श्री रमेशजी मुणोत-जलगाँव	98230-27461
श्री महावीरजी सोहनलालजी बोथरा-जलगाँव	98231-15093
श्री कैलाशचन्दजी हीरावत-जयपुर	99290-56442
श्री अमिताभजी हीरावत-जयपुर	93145-00403
श्री सुमेरसिंहजी बोथरा-जयपुर	94140-48830
श्री प्रकाशचन्दजी कोठारी-जयपुर	98290-66500
श्री विमलचन्दजी डागा-जयपुर	98290-11588
श्री विमलचन्दजी हीरावत-जयपुर	98280-12929
श्री विनयकुमारजी कोठारी-जयपुर	98674-41111
श्री विनोदकुमारजी लोढ़ा-जयपुर	98281-11666
श्री प्रमोदकुमारजी लोढ़ा-जयपुर	98290-51083
श्री जसराजजी चौपड़ा-जयपुर	94133-49454
श्री पदमचन्दजी मुणोत-जयपुर	94038-21464
श्री संदीपजी भाण्डावत-जोधपुर	98280-31482
श्री पूरणराजजी अबानी-जोधपुर	93147-10985
श्री ज्ञानेन्द्रजी आदित्यजी बाफना-जोधपुर	91670-00003
श्री ज्ञानेन्द्रजी शुभेन्द्रजी बाफना-जोधपुर	99293-83333
श्री विरेन्द्रजी रोहितजी भंसाली-जोधपुर	98290-46081
श्री रावलचन्दजी चौपड़ा-जोधपुर	78772-99301
श्री नवरतनजी पुनीतजी डागा-जोधपुर	98280-32215

अहंकार को करो नीचा, जीवन बनेगा ऊँचा ।

श्री केवलचन्दजी गुलेच्छा-जोधपुर	99288-11183
श्री सुभाषजी विकासजी गुन्देचा-जोधपुर	93147-00972
श्री सुमेरमलजी मनोजजी कांकरिया-जोधपुर	94145-63597
श्री सुरेशजी अनिलजी कांकरिया-जोधपुर	94141-26950
श्रीमती चंचलबाईजी अमितजी लोकेशजी कुम्भट-जोधपुर	80033-41180
श्री राजेन्द्रकुमारजी कुम्भट-जोधपुर	98283-33000
श्री पदमचन्दजी मेहता-जोधपुर	94141-33983
श्री नारायणचन्दजी मेहता-जोधपुर	98290-21637
श्री अमरचन्दजी जितेन्द्रजी लोढा-जोधपुर	94614-37341
श्रीमती सुशीलाजी अनिलजी आशीषजी बोहरा-जोधपुर	98290-21879
श्री अरूणजी सुनीताजी मेहता-जोधपुर	98281-41757
श्री श्रीपालजी चिराग जी सुराणा-चेन्नई	93810-37273
श्री आर. करण जी बागमार-चेन्नई	98410-98836
श्री दुलीचन्दजी बागमार-चेन्नई	94444-56630
श्री दुलीचन्दजी कवाड़-चेन्नई	93800-56981
श्री जी. महावीरजी ललवाणी-चेन्नई	98401-11035
श्री कैलाशमलजी दुगड़-चेन्नई	98410-08585
श्री गणपतराजजी हेमन्तजी बागमार-चेन्नई	93810-04293
श्री ललितकुमारजी बागमार-चेन्नई	98411-74202
श्री राजेन्द्रकुमारजी बागमार-चेन्नई	98410-98836
श्री सम्पतराजजी धर्मचन्दजी भण्डारी-चेन्नई	98405-80408

‘मुस्कान’ विश्व व्यापी भाषा है।

श्री बुधमलजी बोहरा-चेन्नई	94442-35065
श्री राजेशजी विमलजी पवनजी बोहरा-चेन्नई	93810-01293
श्री गौतमचन्द्रजी दिनेशकुमारजी हुण्डीवाल-चेन्नई	94443-88565
श्री उम्मेदराजजी सुरेन्द्रकुमारजी हुण्डीवाल-चेन्नई	98407-18382
श्री एम. हरीशकुमार जी कांकरिया-चेन्नई	93814-66600
श्री हरीशकुमारजी कवाड़-चेन्नई	95001-14455
श्री पी. शिखरमलजी सुराना-चेन्नई	98844-30000
श्रीमती लीलावतीजी सुराना-चेन्नई	99621-30000
श्री विनोदकुमारजी सुराना-चेन्नई	98844-91000
श्रीमती रश्मिजी सुराना-चेन्नई	99620-30000
श्री अम्बालालजी कर्नावट-चेन्नई	94442-31120
श्री सुधीरकुमारजी सुराना-चेन्नई	93809-97333
श्री गौतमराजजी राजेशजी सुराना-चेन्नई	99405-58888
श्री के. कमलजी ओस्तवाल-चेन्नई	94440-10721
श्री पुखराजजी बागमार-चेन्नई	94444-64506
श्री उपेन्द्रकुमारजी बागमार -चेन्नई	90946-43355
श्री हेमन्तकुमारजी बागमार-चेन्नई	98415-39029
श्री सागरमलजी महावीरजी राजेशजी छाजेड़-चेन्नई	98410-80470
श्री प्रकाशमलजी आलोकजी शेखरजी कमलजी चोरडिया-चेन्नई	94446-46768
श्री आर.पदमचन्द्रजी ललितकुमारजी गजेन्द्र जी बागमार-चेन्नई	94440-77990
श्री प्रवीणजी मनोजजी संकलेचा-कुम्भकोणम	94432-95329

ले लो क्षण का भी लेखा, अगला क्षण किसने देखा।

श्री मदनलालजी बोथरा-बीजापुर	94482-33763
श्री प्रवीणकुमारजी नितीनकुमारजी रूणवाल-बीजापुर	94225-91476
श्री सतीशजी रूणवाल-बीजापुर	94481-22212
श्री त्रिलोकचन्दजी विजयकुमारजी लुणावत-इन्दौर	93032-77378
श्री नगराजजी मोहनलालजी चोरडिया-इन्दौर	94250-60381
श्री अनूपकुमारजी संजयकुमारजी बाफना-इन्दौर	98930-40125
श्री राजेन्द्र जी नाहर-भोपाल	94250-10597
श्री हस्तीमलजी नेमीचन्दजी श्रीपालजी डोसी-मेड़तासिटी	94133-68997
श्री अनिलजी दुधेड़िया-अजमेर	98290-73250
श्री सुभाषजी विमलचन्दजी धोका-मैसूर	94485-39647
श्री किशोरचन्द जी छाजेड़-शोरापुर	94481-93300
श्री महावीरचन्दजी मनोजजी कमलेशजी बाफना-सूरत	90164-03553
श्री सुनीलकुमारजी निहालचन्दजी शांतिलाल जी नाहर-सूरत,पाली	98251-25718
श्री भंवरलालजी, प्रेमचन्दजी, शान्तिलालजी लोढ़ा-कानपुर	94150-43638
श्री लूणकरणजी विजयजी, विकासजी लोढ़ा-हिरादेसर-कानपुर	91405-35485
श्री बुद्धिप्रकाशजी नरेन्द्रकुमारजी महेन्द्रकुमारजी जैन-कोटा	94141-77139
श्री सुबाहुकुमारजी मनोजजी, मनीष जी जैन-सवाईमाधोपुर	94139-24700
श्री पी. हस्तीमलजी सज्जनराजजी उत्तमचन्दजी गुंदेचा-हैदराबाद	98664-14110
श्री सुरेशजी श्रेणिकजी मुणोत-लासूर स्टेशन	94222-08424
डॉ. वागेश जी कटारिया-नागपुर	98222-27575

दिए बिना सोना नहीं, देकर कभी रोना नहीं।

अ. भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ पदाधिकारीगण

अध्यक्ष

न्यायमूर्ति श्री प्रकाशजी टाटिया- जोधपुर 73400-60665

कार्याध्यक्ष

श्री आनंदजी चौपड़ा-जयपुर 75686-20000

श्री बुधमलजी बोहरा-चेन्नई 94442-35065

उपाध्यक्ष

श्री महेन्द्रकुमारजी कटारिया, नागपुर (दीक्षा समिति) 98503-45615

श्री कैलाशमल जी दुग्गड़, चेन्नई (संघ-सेवा सोपान समिति) 98410-08585

श्री कुशलजी जैन 'गोटेवाला', स.माधोपुर (चातुर्मास समिति) 94604-41570

श्री सुरेशजी चोरड़िया, चेन्नई (संगठन समिति) 94440-28841

श्री मनमोहनजी कर्नावट, जोधपुर (स्वास्थ्य समिति) 94141-35385

श्री पारसमलजी गिड़िया-जोधपुर (विहार समिति) 94601-08060

श्री प्रमोदजी लोढ़ा, जयपुर (मुमुक्षु समिति) 98290-51083

श्री नवरतनजी डागा, जोधपुर 98280-32215

(आचार्य हस्ती अहिंसा शोध संस्थान एवं अल्पसंख्यक कार्यक्रम)

महामंत्री

श्री धनपत जी सेठिया-जोधपुर 98290-22472

संयुक्त महामंत्री

श्री प्रकाशचन्दजी सालेचा-जोधपुर 94610-26279

श्री उगमराजजी कांकरिया-चेन्नई 94443-51245

वासना की चाह, दुर्गति की राह ।

कोषाध्यक्ष

श्री महेन्द्रजी कुम्भट-मुम्बई 98673-25842

सह-कोषाध्यक्ष

श्री लोकेन्द्रनाथजी मोदी-जोधपुर 94131-64703

मंत्री

श्री राजेन्द्रजी जैन राजा-जयपुर (समन्वय) 94142-24209

श्री राजेन्द्रजी जैन-जोधपुर (नवीन उपक्रम) 94146-11459

श्री राजेशजी बोहरा-चेन्नई (चातुर्मास समिति) 93810-01293

श्री महावीरजी मकाणा-ब्यावर (दीक्षा समिति) 96498-27000

श्री बुधमलजी बाघमार-मैसूर (मुमुक्षु समिति) 98451-26407

श्री अनिलजी सुराणा-मुम्बई (संघ सेवा सोपान समिति) 93209-05561

डॉ. अभयजी नाहर-जयपुर (स्वास्थ्य समिति) 94142-78855

श्री लोकेशजी कुम्भट-जोधपुर (विहार समिति) 98280-27770

श्री उम्मेदमलजी जैन-जोधपुर (अल्पसंख्यक कार्यक्रम) 99280-60444

संयोजक-शिक्षा समिति

श्री प्रमोदजी महनोत-जयपुर 98290-52094

संयोजक-शरदचन्द्रिका मोफतराज मुणोत श्री जैन रत्न वात्सल्य निधि

श्री सुमतिचन्द्रजी मेहता-पीपाड़शहर 94144-62729

संयोजक-आचार्य हस्ती मेधावी छात्रवृत्ति योजना

श्री हरीशजी कवाड़-चेन्नई 95001-14455

यदि चाहते हो साधना में सफलता, तो पहले लाओ सरलता।

संयोजक-पेशेवर समुदाय समिति	
श्री शेखरजी भण्डारी-मुम्बई	98199-55506
क्षेत्रीय प्रधान-मारवाड़ सम्भाग	
श्री अमरचन्द जी चौधरी-जोधपुर	94141-30024
क्षेत्रीय प्रधान-मध्य राज. सम्भाग	
श्री राजेन्द्रकुमार जी डांगी-किशनगढ़	94140-12286
क्षेत्रीय प्रधान-जयपुर सम्भाग	
श्री सुमतिचन्द जी कोठारी-जयपुर	99501-70987
क्षेत्रीय प्रधान-पल्लीवाल सम्भाग	
श्री राजकुमार जी जैन-भरतपुर	94142-68226
क्षेत्रीय प्रधान-पोरवाल सम्भाग	
श्री सुबाहुकुमार जी जैन-सवाईमाधोपुर	94139-24700
क्षेत्रीय प्रधान-गुजरात सम्भाग	
श्री प्रवीण जी बाफना-पालनपुर	94276-42750
क्षेत्रीय प्रधान-महाराष्ट्र खानदेश सम्भाग	
श्री महावीरचन्द जी बोथरा-जलगांव	98231-15093
क्षेत्रीय प्रधान-महाराष्ट्र मराठवाड़ा सम्भाग	
श्री सुरेश जी मुणोत-लासुर स्टेशन	94222-08424
क्षेत्रीय प्रधान-महाराष्ट्र मुम्बई/कोंकण सम्भाग	
श्री गौतम एस. मेहता-मुम्बई	98211-45886

असंयम दुःख का और संयम सुख का कारण है ।

क्षेत्रीय प्रधान-महाराष्ट्र विदर्भ सम्भाग	
श्री मनोज जी बोहरा-नागपुर	94230-63477
क्षेत्रीय प्रधान-मध्यप्रदेश सम्भाग	
श्री विजय जी नाहर-इन्दौर	98260-56220
क्षेत्रीय प्रधान-तमिलनाडू सम्भाग	
श्री इन्दरचन्द जी सुराणा-चेन्नई	98400-17748
क्षेत्रीय प्रधान-आन्ध्रप्रदेश/तेलंगाना सम्भाग	
श्री दलपतराज जी छाजेड़-हैदराबाद	93901-23288
क्षेत्रीय प्रधान-कर्नाटक प्रदेश सम्भाग	
श्री विजयराज जी भंडारी-रायचूर	98800-00484
क्षेत्रीय प्रधान-उत्तरी-पूर्वी भारत सम्भाग	
श्री लूणकरण जी लोढ़ा-कानपुर	94150-51628

सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल, जयपुर

फोन 0141-2575997/2705088 फैक्स-0141-2570753

अध्यक्ष

श्री चंचलमलजी बच्छावत (I.A.S.) -कोलकाता 98301-25000

कार्याध्यक्ष

श्री विनयचन्दजी डागा-जयपुर 93145-06509

डॉ. धर्मचन्दजी जैन-जोधपुर 94132-53084

बिना साधन साध्य की प्राप्ति समझना भूल है।

मंत्री

श्री अशोककुमारजी सेठ-जयपुर 93146-25596

कोषाध्यक्ष

श्री रितुल जी पटवा-जयपुर 90012-31231

अ. भा. श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, जोधपुर

फोन 0291-2636763

परामर्शदाता

श्रीमती मधुजी सुराणा-चेन्नई 93826-79660

श्रीमती पूर्णिमा जी लोढा-जयपुर 98290-19396

अध्यक्ष

श्रीमती मंजुजी भण्डारी-बैंगलोर 93426-77066

कार्याध्यक्ष

श्रीमती बीनाजी मेहता-जोधपुर 97727-93625

श्रीमती सुशीलाजी भण्डारी-रायचुर 93420-30644

महासचिव

श्रीमती अलकाजी दुधेड़िया-अजमेर 98281-56250

कोषाध्यक्ष

श्रीमती रेखाजी सुराणा- जोधपुर 94614-75910

बुरा नहीं है धन, बुरा है धन में रचा मन।

अ. भा. श्री जैन रत्न युवक परिषद्, जोधपुर

फोन 0291-2636763

परामर्शदाता

श्री प्रशान्त जी कर्णावट-जयपुर 94140-77715

श्री विक्रम जी बाघमार-चेन्नई 98410-90292

अध्यक्ष

श्री मनीषजी मेहता-जयपुर 94140-58188

कार्याध्यक्ष

श्री विवेकजी लोद्दा-जयपुर 96101-11555

श्री अनिल जी बोथरा-जलगांव 97654-77999

महासचिव

श्री अमित जी हीरावत-जयपुर 94140-56909

कोषाध्यक्ष

श्री आशीषजी कांकरिया-जोधपुर 89556-55355

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर

फोन 0291-2624891

संयोजक

श्री सुभाषजी हुण्डीवाल-जोधपुर 94605-51096

सचिव

श्री सुनीलजी संकलेचा- जोधपुर 94138-44592

मेरे-तरे के फरे टूटे, तो टूटे जगत के फरे ।

कोषाध्यक्ष

श्री चंचलजी गिड़िया-जोधपुर

94139-59959

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

फोन 0291-2630490

निदेशक

श्री नरपतराजजी चौपड़ा-जोधपुर

94604-22134

संयोजक

श्री अशोकजी बाफना-चेन्नई

94442-70145

सचिव

श्री सुभाषचन्दजी नाहर-जोधपुर

94132-02678

कोषाध्यक्ष

श्री गौतमजी जीरावला-जोधपुर

94604-80487

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार केन्द्र, जोधपुर

फोन 0291-2622623

संयोजक

श्री राजेशजी कर्नावट-जोधपुर

94141-28925

सचिव

श्री राजेशजी भण्डारी- जोधपुर

94610-13878

कोषाध्यक्ष

श्री संजयजी सुराणा-जोधपुर

98283-49715

आत्मा का मूल स्वभाव जानना और देखना है।

मेरे अन्तर भया प्रकाश

आचार्य श्री हस्तीमलजी म.सा.

मेरे अन्तर भया प्रकाश, नहीं अब मुझे किसी की आश।

काल अनन्त रुला भव-वन में, बंधा मोह के पाश
काम क्रोध मद लोभ भाव से, बना जगत् का दास॥

तन धन परिजन सब ही पर हैं, पर की आश निराश।
पुद्गल को अपना कर मैंने, किया स्वत्व का नाश॥

रोग शोक नहीं मुझको देते, जरा मात्र भी त्रास।
सदा शान्तिमय मैं हूँ मेरा, अचल रूप है खास॥

इस जग की ममता ने, मुझको डाला गर्भावास।
अस्थि मांस मय अशुचि देह में, मेरा हुआ निवास॥

ममता से संताप उठाया, आज हुआ विश्वास,
भेद-ज्ञान की पैनी धार से, काट दिया वह पाश॥

मोह मिथ्यात्व की गांठ गले जब, होवे ज्ञान प्रकाश।
"गजेन्द्र" देखे अलख रूप को, फिर न किसी की आश॥

चाहो कर्मों का क्षय, तो पहले धारो विनय।

आचार्य परम्परा

(तर्ज-सुज्ञानी जीवा)

प्रतिदिन जप लेना, त्यागी गुरुओं को भवियन भाव से। 1टेर।।

महावीर के शासन भूषण, धर्मदास मुनिराय।
परम प्रतापी धर्म प्रचारक, थे आचार्य महान् हो।।1।।

शिष्य निन्नाणु हुए आपके, ज्ञान क्रिया में शूर।
धन्नाजी ने मरुभूमि से, किया कुमत को दूर।।2।।

पट्टधर भूधर पूज्य प्रतापी, शिष्य जिन्हों के चार।
रघुपत, जयमल, जेतसी अरु कुशलचन्द्र लो धार हो।।3।।

रघुपत, जयमल, कुशलाजी के, हुआ शिष्य समुदाय।
कुशलवंश के पूज्यों का मैं, ध्यान करू-चितलाय हो।।4।।

गुमानचन्द्र और रत्नचन्द्रजी, शासन के शृंगार।
चाचा गुरु थे रत्नचन्द्र के, दुर्गादास अनगार हो।।5।।

चार बीस संवत्सर लग, रखने को सम्मान।
रत्नचन्द्र गणिपद नहीं लीना, पूज्य दुर्ग को मान हो।।6।।

व्यसनों से दुःख घटने के बजाय बढ़ते हैं।

दुर्गादास के बाद रत्नमुनि, को दीना गण भार।
गुरु गुमान की मर्यादा में, गणपति थे सुखकार हो ॥7॥

कुशलवंश के पूज्य तीसरे, हमीरमल्ल मुनिराय।
परम प्रतापी पूज्य कजोड़ी, महिमा कही न जाय ॥8॥

पंचम पूज्य बहुश्रुतधारी, विनयचन्द्र मुनिराज।
शोभाचन्द्र जी पूज्य हुए छठे, दमियों के सिरताज ॥9॥

वादीमर्दन कनीराम जी, बालचन्द्र तपधार।
चन्दन मुनिवर शीतल-चन्दन, मुनित्रय थे सुखकार ॥10॥

'गजेन्द्र' सब पूज्यों का अनुचर, करता उनका ध्यान।
भाव सहित जो पढ़े भविकजन, पावे सौख्य निधान हो ॥11॥

नित्य रात्रि को सागारी संथारा लेने का पाठ

आहार, शरीर उपधि, पचवक्खूँ पाठ अठार।
मरण पाऊँ तो वोसिरे, जीऊँ तो आगार ॥

सुबह उठकर तीन नवकार मंत्र बोलकर सागारी संथारा पाले

धर्मस्थान में साज-शृंगार करके आना दूषण है।

अरिहंतो महदेवो, जावज्जीवं सुसाहुणो गुरुणो ।
जिण पण्णत्तं तत्तं, इय सम्मत्तं मए गहियं ॥

भावार्थ

अरिहन्त भगवान मेरे देव हैं ।
जीवन पर्यन्त सुसाधु मेरे गुरु हैं ।
जिनेश्वर प्ररूपित तत्त्व धर्म है ।
यह सम्यक्त्व मेरे द्वारा ग्रहण किया जाता है ।

जो रवि उदय से अस्त तक.....

(आचार्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा.)

जो रवि उदय से अस्त तक, विश्राम कुछ करते नहीं ।
स्वाध्याय, चिंतन—मनन—पाठन में, कभी थकते नहीं ॥ 1 ॥

ले काम कोई हाथ में, पीछे कदम करते नहीं ।
व्रत मार्ग की जो आपदाओं, से कभी डरते नहीं ॥ 2 ॥

रहते अटल निज धारणा से, जो कभी टलते नहीं ।
अप्रिय प्रसंगों पर कभी जो, मन से भी जलते नहीं ॥ 3 ॥

जो शान्त चित्त उदार हैं, निर्मल हृदय अभिराम हैं ।
उन पूज्य हस्ती मुनीश को, "हीरा" के अनेक प्रणाम हैं ॥ 4 ॥

पाना हो परम, तो पर में मत रम ।

विशिष्ट तिथियाँ

आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमलजी म. सा.

जन्म दिवस (111 वाँ) पौष शुक्ला 14 बुधवार 27.01.2021

दीक्षा दिवस (101 वाँ) माघ शुक्ला 2 शनिवार 13.02.2021

आचार्य पदारोहण दिवस (91 वाँ) वैशाख शुक्ला 3 रविवार 26.04.2020

स्मृति दिवस (29 वाँ) वैशाख शुक्ला 8 शुक्रवार 01.05.2020

आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म. सा.

जन्म दिवस (83 वाँ) चैत्र कृष्णा 8 रविवार 04.04.2021

दीक्षा दिवस (58 वाँ) कार्तिक शुक्ला 6 शुक्रवार 20.11.2020

आचार्य पद दिवस (29 वाँ) ज्येष्ठ कृष्णा 5 सोमवार 11.5.2020

उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्रजी म. सा.

जन्म दिवस (87 वाँ) माघ कृष्णा 4 सोमवार 01.02.2021

दीक्षा दिवस (58 वाँ) वैशाख शुक्ला 13 मंगलवार 05.05.2020

उपाध्याय पद दिवस (30 वाँ) वैशाख शुक्ला 9 शनिवार 02.05.2020

स्मृति दिवस (प्रथम) पौष शुक्ला 7 बुधवार 20.01.2021

विशिष्ट तिथियाँ

शासनेश प्रभु महावीर जन्म कल्याणक

चैत्र शुक्ला 13 सोमवार 06.04.2020

संघ स्थापना दिवस

वैशाख शुक्ला 11 सोमवार 04.05.2020

224वाँ क्रियोद्धार दिवस

आषाढ़ कृष्णा 2 रविवार 07.06.2020

शासनेश प्रभु महावीर निर्वाण कल्याणक

कार्तिक कृष्णा 30 रविवार 15.11.2020

संकल्प

मैं जैन हूँ।

मुझे जैन होने पर गर्व है।

देवाधिदेव अरिहन्त भगवान मेरे देव हैं।

सुसाधु मेरे गुरु हैं।

जहाँ दया है, वहाँ धर्म है।

मैं अपने आपको देव-गुरु-धर्म

एवं संघ के प्रति समर्पित करता हूँ।

संघ सम्बन्धी नवीनतम जानकारी हेतु डाउनलोड करें



रत्नसंघ

एप में अपनी प्रोफाइल अवश्य अपडेट करें

